HINDU, Delhi, 2.5.2023
Page No. 12, Size:(11.63)cms X (22.26)cms.

Japan to train 1,000 Indian engineers for bullet train project

The Hindu Bureau
NEW DELHI

As many as 1,000 Indian engineers will be trained by Japanese experts before starting work on the high-speed rail track system for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail (MAHSR) corridor.

The bullet-train track being built between Mumbai and Ahmedabad will use the ballast-less slab track system (popularly known as J Slab track system) as used in the Japanese Shinkansen high-speed railways.

The Japanese track system is unique in the world and the technicians require a high level of skill to lay it.

"The track is the most important component of the HSR system and needs to be laid with very high degree of accuracy," said a spokesperson of National High Speed Rail Corporation Ltd. (NHSRCL).

There will be 15 different courses covering all aspects of track work.

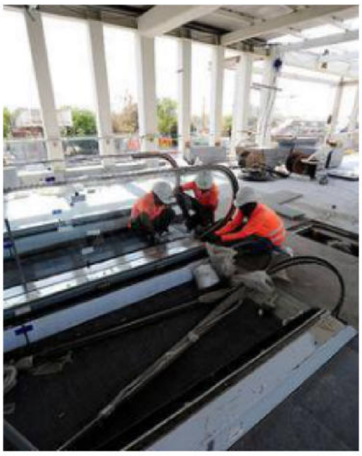

The technicians require very high degree of skill to lay the tracks.

"Up to 20 Japanese experts will impart intensive training to the Indian engineers, supervisors and technicians and certify their skills. This will also help in 'transfer of technology' of Japanese HSR track system," said Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL.

The training will be imparted by the JARTS, a non-profit organisation in Japan, nominated by JICA, which is the funding agency of the MAHSR project.

NAV-BHARAT, Mumbai, 2.5.2023
Page No. 4, Size:(15.84)cms X (8.45)cms.

बुलेट ट्रेन : इंजीनियरों की ट्रेनिंग शुरू

वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी के सेक्शन के काम ने पकड़ी रफ्तार

■ **मुंबई,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाले हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (बुलेट ट्रेन) के टी-2 पैकेज के लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम की ट्रेनिंग शुरू कर दी गई है. इस पैकेज में वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी शामिल है. अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक निर्माण कार्यों के लिए साइट पर केवल प्रशिक्षित और प्रमाणित इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के देख-रेख में ट्रेनिंग का काम आगे बढ़ाया जा रहा है और इस ट्रेनिंग के जरिये जापानी एचएसआर ट्रैक सिस्टम के 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' में भी मदद मिलेगी. जापानी शिंकानसेन एचएसआर में उपयोग की जाने वाली गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम (जे स्लैब ट्रैक सिस्टम के रूप में लोकप्रिय) का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना के लिए किया जाएगा. प्रोजेक्ट के निर्माण में लगी एनएचएसआरसीएल द्वारा जारी बयान के अनुसार, संबंधित क्षेत्र में जापानी विशेषज्ञों के माध्यम से प्रोजेक्ट की फंडिंग एजेंसी जीका द्वारा नॉमिनेटेड जापान के नॉन प्रॉफिट संगठन जेएआरटीएस द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा. प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किये गए हैं, जिसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेन्स पिन सर्वे तथा डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एंक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टॉलेशन आदि शामिल हैं.

1000 वर्क लीडर्स को दी जाएगी ट्रेनिंग

स्टेटमेंट के मुताबिक, इस परियोजना में लगभग 1000 इंजीनियरों, वर्क लीडर्स और टेक्नीशियन को प्रशिक्षित करने की योजना रखी गई है. इसके लिए सूरत डिपो में विशेष रूप से तीन ट्रेल लाइन का निर्माण किया गया है. जापानी ट्रैक सिस्टम दुनिया में अद्वितीय है और इसे बिछाने के लिए बहुत उच्च स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है. ट्रैक एचएसआर प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण घटक है और इसे बहुत उच्च स्तर की सटीकता से बिछाया जाना चाहिए.

- प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ साथ उनके कौशल को प्रमाणित करेंगे.
- बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का काम तेजी से चल रहा है और 25 अप्रैल तक इसके 50 km वायाडक्ट और 180 km पियर का काम पूरा हो चुका था.
- 50.16 किमी के वायाडक्ट में वडोदरा के पास एक ही स्ट्रेच में 9.1 किमी का वायाडक्ट और विभिन्न स्थानों पर 41.06 किमी का निर्माण कर लिया गया है.

जापानी तकनीक सीखने का सुनहरा अवसर

भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए जापानी हाई स्पीड रेल ट्रैक स्लैब सिस्टम तकनीक सीखने का यह एक सुनहरा अवसर है. इस परियोजना में 1000 से अधिक भारतीय इंजीनियर्स और टेक्नीशियंस को 20 जापानी विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा.

-राजेंद्र प्रसाद, MD, एनएसआरसीएल

50 km वायाडक्ट, 180 km पियर का काम पूरा

1 लाख 8000 करोड़ रुपए की लागत के इस प्रोजेक्ट को 2027 में लांच करने का लक्ष्य रखा गया है. पहले चरण में सूरत और बिलिमोरा के बीच 63 किलोमीटर का ट्रायल किया जाएगा. पूरे रूट की बात करें तो यह मुंबई से अहमदाबाद के बीच 508 किमी का है, जिसमें से 156 किमी महाराष्ट्र और 352 किमी गुजरात में शामिल है. 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अनुसार इस ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 320 किमी होगी, जिसकी वजह से 508 किमी का सफर 127 मिनट में पूरा होगा.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

AMAR UJALA, Delhi, 2.5.2023
Page No. 14, Size:(43.68)cms X (10.36)cms.

हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का ट्रैक बिछाने में महारत दिखाएंगे भारतीय इंजीनियर

नई दिल्ली। हाई स्पीड बुलेट ट्रेन का ट्रैक बिछाने में भारतीय रेलवे के इंजीनियर महारत दिखाएंगे। इसके लिए जापानी विशेषज्ञ हाईस्पीड रेलवे ट्रैक प्रणाली 'प्रौद्योगिकी हस्तांतरण' के तहत उन्हें प्रशिक्षण दे रहे हैं।

दरअसल भारत में पहली बार गिट्टी रहित ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिस पर बुलेट ट्रेन हवा से बातें करेगी। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए एक हजार इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों को यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जापानी शिंकानसेन हाई स्पीड रेल में उपयोग किए जाने वाले गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम (जे स्लैब ट्रैक सिस्टम) का उपयोग भारत में पहली बार किया जा रहा है। एजेंसी

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 2.5.2023
Page No. 8, Size:(15.97)cms X (24.53)cms.

Training for high-speed rail track system for MAHSR Corridor starts for Indian Engineers

The training of Indian engineers and work leaders has started for High-Speed Rail Track system for Mumbai Ahmedabad HSR corridor (MAHSR), for T-2 Package (covering 237 km between Vapi and Vadodara). It is envisaged that only trained and certified engineers/work leaders are to work at site for track construction works. This will also help in 'Transfer of Technology' of Japanese HSR track system. The ballast-less Slab Track system (popularly known as J Slab track system) as used in Japanese Shinkansen HSR will be used for India's first HSR project. The training will be imparted by JARTS (a non-profit organization in Japan), nominated by JICA (funding agency of MAHSR project), through Japanese Experts in relevant field.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 2.5.2023
Page No. 10, Size:(9.34)cms X (7.51)cms.

परियोजना ने पकड़ी गति : बुलेट ट्रेन के ट्रैक निर्माण में लगेंगे एक हजार इंजीनियर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश में हाईस्पीड ट्रेन चलाने की परियोजना ने गति पकड़ ली है। 320 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से दौड़ने वाली यह ट्रेन 2027 तक ट्रैक पर आ जाएगी। बुलेट ट्रेन को इतनी तेज गति से चलाने के लिए ट्रैक की मजबूती भी वैसी ही होनी चाहिए, इसलिए फोकस ट्रैक निर्माण पर किया जा रहा है। एक हजार इंजीनियरों एवं वर्क लीडरों को ट्रैक निर्माण की तकनीक बताई जा रही है। इसके लिए सूरत डिपो में विशेष तौर पर तीन ट्रेल लाइन का निर्माण किया गया है। जापानी विशेषज्ञ प्रशिक्षित कर रहे हैं।

जापान के आर्थिक सहयोग से एक लाख आठ हजार करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट में गुजरात के आठ जिलों एवं दादरा नगर हवेली में आने वाले 352

सूरत में तीन ट्रेल लाइन बना जापानी तकनीक का दिया जा रहा प्रशिक्षण

किलोमीटर लंबे इस रूट के निर्माण का काम तेज गति से चल रहा है। इस रूट पर स्टेशनों, पुलों एवं ट्रैक निर्माण के काम को दो वर्षों के भीतर पूरा किया जाना है। महाराष्ट्र के अवरोध भी हट चुके हैं और काम ने गति पकड़ ली है। सूरत से बिलिमोरा के बीच पहला ट्रायल अगस्त 2026 से पहले करने का लक्ष्य है। उच्च गति की ट्रेनों के लिए सबसे महत्वपूर्ण घटक रेल ट्रैक है। उसे बिछाने के लिए उच्च स्तर के कौशल की जरूरत होती है। जापानी ट्रैक सिस्टम को अद्वितीय माना जाता है। बुलेट ट्रेन के लिए जैसा रेल ट्रैक चाहिए, वैसा अभी तक भारत में नहीं है।

नेशनल हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के प्रबंध निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि इतनी बड़ी संख्या में भारतीय इंजीनियरों एवं तकनीशियनों को इसलिए प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि भारत के अगले प्रोजेक्ट में भी इनके कौशल का इस्तेमाल किया जा सके। ट्रैक निर्माण काम में प्रशिक्षित एवं प्रमाणित इंजीनियर एवं वर्क लीडर ही लगाए जाएंगे। इससे हाई स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम की जापानी तकनीक को अपनाने में भी मदद मिलेगी। फिलहाल मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर के टी-2 पैकेज के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें वापी और वडोदरा के बीच 237 किलोमीटर की दूरी शामिल है।

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 2.5.2023
Page No. 5, Size:(2.94)cms X (11.14)cms.

Jap experts training our engineers

KAMAL MISHRA / Mumbai

Twenty experts from Japan Railway Technical Services (JARTS) are imparting high-speed rail (HSR) track laying training to 1,000 Indian engineers and technicians for the T-2 237km Vapi-Vadodara package of Mumbai-Ahmedabad HSR corridor. For the project, a ballastless slab track system with a longer life cycle and easy maintainability is being used.

Officials said only trained and certified engineers/technicians will work at track construction sites and also help in transfer of Japanese Shinkansen HSR technology.

JARTS has been nominated by Japan International Cooperation Agency (JICA) that is funding the project. Fifteen different courses will cover track work, training for site managers, track slab manufacturing, reinforced concrete track-bed construction, to name a few. A training facility with three trail lines has been specially created at the depot in Surat.

Tracks are clearly the most important component of the HSR system and need to be laid with a high degree of precision, which Shinkansen offers.

DAINIK BHASKAR, Surat, 2.5.2023
Page No. 2, Size:(11.10)cms X (9.06)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्टः 20 जापानी इंजीनियर वडोदरा-वापी सेक्शन के लिए ट्रैक सिस्टम की ट्रेनिंग देंगे

जापानी ट्रैक सिस्टम के ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के आधार पर होगी ट्रेनिंग

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में वापी-सूरत और वडोदरा के बीच 237 किमी लंबे रूट के लिए ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। इंजीनियर्स और वर्क लीडर्स को हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रैक निर्माण प्रशिक्षित और प्रमाणित इंजीनियर्स व वर्क लीडर्स ही करेंगे। इससे जापानी हाई स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम की टेक्नोलॉजी को ट्रांसफर करने में मदद मिलेगी। जापानी शिंकानसेन हाई स्पीड रेल ट्रैक की तरह भारत की हाई स्पीड रेल परियोजना में भी में गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जाएगा। एमएएचएसआर परियोजना की फंडिंग एजेंसी जेआईसीए की तरफ से नामांकित जेएआरटीएस प्रशिक्षण देगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफ्रेंस पिन सर्वे, डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन रेल वेल्ड फिनिशिंग आदि शामिल हैं। परियोजना में लगभग 1000 इंजीनियर्स, वर्क लीडर्स व टेक्नीशियंस को प्रशिक्षित करने की योजना है। इसके लिए सूरत डिपो में 3 ट्रेल लाइन बनाई गई हैं। 20 जापानी विशेषज्ञों की तरफ से गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

INDIAN EXPRESS, Ahmedabad, 2.5.2023
Page No. 5, Size:(3.04)cms X (11.48)cms.

Training of first batch of engineers for bullet train project begins

EXPRESS NEWS SERVICE
AHMEDABAD, MAY 1

TRAINING FOR for the first batch of 16 Indian engineers — for laying of tracks for the Mumbai-Ahmedabad bullet train project — has begun in Surat, an official release stated Monday.

"The training of Indian engineers and leaders has started for the High-Speed Rail Track system for Mumbai-Ahmedabad HSR corridor (MAHSR), for T-2 Package (covering 237 km between Vapi and Vadodara)," it stated. About 20 Japanese experts will be imparting intensive training to the Indian engineers, supervisors, and technicians and certify their skills.

The ballastless or Slab Track System (popularly known as the J Slab track system) - as used in Japanese Shinkansen HSR - will be used for India's first HSR project. The training will be imparted by JARTS (a non-profit in Japan), nominated by JICA (the funding agency of the MAHSR project), by Japanese experts in relevant fields.

There will be 15 different courses covering all aspects.

HINDU, Mumbai, 2.5.2023
Page No. 10, Size:(4.78)cms X (10.03)cms.

Japan to train 1,000 Indian engineers for bullet train project

The Hindu Bureau
NEW DELHI

As many as 1,000 Indian engineers will be trained by Japanese experts before starting work on the high-speed rail track system for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail corridor (MAHSR).

The bullet-train track being built between Mumbai and Ahmedabad will use the ballast-less slab track system (popularly known as J Slab track system) as used in the Japanese Shinkansen high-speed railways.

The Japanese track system is unique in the world and the technicians require a high level of skill to lay it.

"The track is the most important component of the HSR system and needs to be laid with very high degree of accuracy," said a spokesperson of the National High Speed Rail Corporation Ltd. (NHSRCL).

There will be 15 different courses covering all aspects of track work.

The technicians require very high degree of skill to lay the tracks.

"Up to 20 Japanese experts will impart intensive training to the Indian engineers, supervisors and technicians and certify their skills. This will also help in 'transfer of technology' of Japanese HSR track system," said Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL.

The training will be imparted by JARTS, a non-profit organisation in Japan, nominated by JICA, which is the funding agency of the MAHSR project.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

SANDESH, Vadodara, 2.5.2023
Page No. 0, Size:(4.64)cms X (5.17)cms.

Training of 1000 engineers started for 237 km track between Vapi - Vadodara

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટના સુરત ડેપોમાં ત્રણ ટ્રેઈલ લાઈન સાથે તાલીમની સુવિધા

વાપી-વડોદરા વચ્ચે 237 કિ.મી.ના ટ્રેક માટે 1000 એન્જિનિયર્સની ટ્રેનિંગ શરૂ

ભારતીય એન્જિનિયરો અને ટેકનિશિયનો માટે જાપાનીઝ હાઈ સ્પીડ રેલ ટ્રેક સ્લેબ સિસ્ટમ ટૅક્નોલૉજી શીખવાની સુવર્ણ તક

। વડોદરા ।

મુંબઈ-અમદાવાદ વચ્ચેના બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટેના રેલવે ટ્રેક બિછાવવા માટે જાપાન રેલવે ટેકનિકલ સર્વિસીસના ૨૦ નિષ્ણાંતો દેશના એન્જિનીયર્સ અને ટેક્નીશીયન સહિત ૧૦૦૦ને તાલિમ આપી રહ્યા છે. આ માટે સુરત ડેપોમાં ઉભા કરાયેલા ત્રણ ટ્રેઈનીંગ માટેની રેલવે લાઈન પણ ઉભી કરવામાં આવી છે. તેવુ નેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન લીમીટેડના મેનેજિંગ ડિરેક્ટર રાજેન્દ્ર પ્રસાદે જણાવ્યુ હતુ.

મુંબઈ-અમદાવાદ વચ્ચેના વાપી થી વડોદરા સહિતના ૨૩૭ કિમીને આવરી લેતા હાઈસ્પીડ રેલવે પ્રોજેક્ટ માટે લાંબા જીવન ચક્ર અને સરળ જાળવણીક્ષમતા સાથે બેલાસ્ટલેસ સ્લેબ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ કરવામાં આવી રહ્યો છે.ભારતીય એન્જિનિયરો અને ટેકનિશિયનો માટે જાપાનીઝ હાઈ સ્પીડ રેલ ટ્રેક સ્લેબ સિસ્ટમ ટેક્નોલોજી શીખવાની આ એક સુવર્ણ તક છે

વધુમાં હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશનના સુત્રોએ જણાવ્યુ હતુકે , માત્ર પ્રશિક્ષિત અને પ્રમાણિત એન્જિનિયરોઅને ટેકનિશિયન જ ટ્રેક કન્સ્ટ્રક્શન સાઈટ્સ પર કામ કરશે અને જાપાનીઝ શિંકનસેન એચએસઆર ટેક્નોલોજીના ટ્રાન્સફરમાં પણ મદદ કરશે.

JARTS ને જાપાન ઈન્ટરનેશનલ કોઓપરેશન એજન્સી (JICA) દ્વારા નામાંકિત કરવામાં આવી છે જે પ્રોજેક્ટ માટે ભંડોળ પૂરું પાડે છે. પંદર જુદા જુદા અભ્યાસક્રમોમાં ટ્રેક વર્ક, સાઈટ મેનેજરો માટે તાલીમ, ટ્રેક સ્લેબ મેન્યુફેક્ચરિંગ, રિઈન્ફોર્સ્ડ કોંક્રીટ ટ્રેક-બેડ કન્સ્ટ્રક્શનને આવરી લેવામાં આવશે. સુરતના ડેપોમાં ત્રણ ટ્રેઈલ લાઈન સાથેની તાલીમની સુવિધા ખાસ બનાવવામાં આવી છે.

ટ્રેક્સ સ્પષ્ટપણે એચએસઆર સિસ્ટમનો સૌથી મહત્વપૂર્ણ ઘટક છે અને તેને ઉચ્ચ ડિગ્રી ચોકસાઈ સાથે નાખવાની જરૂર છે, જે શિંકનસેન ઓફર કરે છે.

12th Sci. 1/2 વિષય ફેઇલ ??
(CBSE/GSEB) વડોદરાના ખ્યાતનામ શિક્ષકો દ્વારા સ્પે. જુલાઇ બેચ
અમુલ્ય વર્ષ બચાવવાની તક
"Hemang Sir"
M : 9824076529

बुलेट ट्रेन : टी-2 पैकेज में वापी और वडोदरा के बीच 237 किलोमीटर का कार्य

ट्रैक के लिए भारतीय इंजीनियर्स का प्रशिक्षण शुरू

मुंबई अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर के लिए 1000 से अधिक इंजीनियर होंगे तैयार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंजीनियरों और तकनीशियनों को जापानी विशेषज्ञ प्रशिक्षण देते हुए।

सूरत. मुंबई-अहमदाबाद एचएसआर कॉरिडोर (एमएएचएसआर) के टी-2 पैकेज, जिसमें वापी और वडोदरा के बीच 237 किमी की दूरी शामिल हैं। इसके लिए भारतीय इंजीनियरों और वर्क लीडर्स के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण शुरू किया गया है।

ट्रैक निर्माण कार्यों के लिए साइट पर प्रशिक्षित इंजीनियरों, वर्क लीडर्स से ही काम किया जाएगा। इससे जापानी एचएसआर ट्रैक सिस्टम के 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' में मदद मिलेगी। इसमें लगभग 1000 इंजीनियरों, वर्क लीडर्स टेक्निशंस को 20 जापानी विशेषज्ञ प्रशिक्षित करेंगे। इसके लिए सूरत डिपो में विशेष रूप से 3 ट्रेल लाइन का निर्माण किया गया है।

एनएचएसआरसीएल के जनसंपर्क विभाग में अपर महाप्रबंधक और प्रवक्ता सुषमा गौड ने बताया कि जापानी शिंकानसेन एचएसआर में उपयोग की जाने वाली गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना के लिए किया जाएगा। जापानी विशेषज्ञों के माध्यम से जेआईसीए, एमएएचएसआर परियोजना की फंडिंग एजेंसी की नामांकित जेएआरटीएस जापान का नॉन प्रॉफिट संगठन प्रशिक्षण देंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 पाठ्यक्रम शामिल हैं।

इसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेन्स पिन सर्वे तथा डेटा विश्लेषण, स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एनक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टालेशन आदि शामिल हैं जापानी ट्रैक सिस्टम दुनिया में अद्वितीय है और इसे बिछाने के लिए उच्च स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है।

भारतीय इंजीनियरों और तकनीशियनों के लिए जापानी हाई स्पीड रेल ट्रैक स्लैब सिस्टम तकनीक सीखने का सुनहरा अवसर है। परियोजना में 1000 से अधिक इंजीनियर्स और टेक्नीशियंस को 20 जापानी विशेषज्ञ प्रशिक्षित कर प्रमाणित करेंगे।- **राजेंद्र प्रसाद,** प्रबंध निदेशक, एनएसआरसीएल, दिल्ली

HINDU, Chennai, 2.5.2023
Page No. 12, Size:(4.80)cms X (9.83)cms.

Japan to train 1,000 Indian engineers for bullet train project

The Hindu Bureau
NEW DELHI

As many as 1,000 Indian engineers will be trained by Japanese experts before starting work on the high-speed rail track system for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail (MAHSR) corridor.

The bullet-train track being built between Mumbai and Ahmedabad will use the ballast-less slab track system (popularly known as J Slab track system) as used in the Japanese Shinkansen high-speed railways.

The Japanese track system is unique in the world and the technicians require a high level of skill to lay it.

"The track is the most important component of the HSR system and needs to be laid with very high degree of accuracy," said a spokesperson of National High Speed Rail Corporation Ltd. (NHSRCL).

There will be 15 different courses covering all aspects of track work.

The technicians require very high degree of skill to lay the tracks.

"Up to 20 Japanese experts will impart intensive training to the Indian engineers, supervisors and technicians and certify their skills. This will also help in 'transfer of technology' of Japanese HSR track system," said Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL.

The training will be imparted by the JARTS, a non-profit organisation in Japan, nominated by JICA, which is the funding agency of the MAHSR project.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

HINDU, Hyderabad, 2.5.2023
Page No. 10, Size:(4.80)cms X (9.83)cms.

Japan to train 1,000 Indian engineers for bullet train project

The Hindu Bureau
NEW DELHI

As many as 1,000 Indian engineers will be trained by Japanese experts before starting work on the high-speed rail track system for the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail (MAHSR) corridor.

The bullet-train track being built between Mumbai and Ahmedabad will use the ballast-less slab track system (popularly known as J Slab track system) as used in the Japanese Shinkansen high-speed railways.

The Japanese track system is unique in the world and the technicians require a high level of skill to lay it.

"The track is the most important component of the HSR system and needs to be laid with very high degree of accuracy," said a spokesperson of National High Speed Rail Corporation Ltd. (NHSRCL).

There will be 15 different courses covering all aspects of track work.

The technicians require very high degree of skill to lay the tracks.

"Up to 20 Japanese experts will impart intensive training to the Indian engineers, supervisors and technicians and certify their skills. This will also help in 'transfer of technology' of Japanese HSR track system," said Rajendra Prasad, Managing Director, NHSRCL.

The training will be imparted by the JARTS, a non-profit organisation in Japan, nominated by JICA, which is the funding agency of the MAHSR project.

GUJARAT SAMACHAR, Surat, 2.5.2023
Page No. 5, Size:(8.29)cms X (6.47)cms.

Training of 1000 Indian Engineers in Surat for Vapi-Vadodara Bullet Train track

વાપી-વડોદરા બુલેટ ટ્રેનના ટ્રેક માટે સુરતમાં ૧ હજાર ભારતીય એન્જિનિયરોની તાલીમ

સુરત,સોમવાર

અમદાવાદ-મુંબઇ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં વાપી અને વડોદરા વચ્ચે ૨૩૭ કિલોમીટરમાં ટી-૨ પેકેજ માટે ૧૦૦૦ ભારતીય એન્જિનિયર્સની તાલીમ શરૂ કરવામાં આવી છે. તાલીમ જાપાનના નોન પ્રોફીટ ઓર્ગેનાઇઝેશન જેઆરટીએસ દ્વારા અપાશે. જે મુંબઇ-અમદાવાદ પ્રોજેક્ટ ફંડીગ એજન્સી જેઆઇસીએ દ્વારા જે તે ફિલ્ડના વિશેષજ્ઞો મારફત નોમીનેટ થયા છે. તાલીમમાં ૧૫ જુદા-જુદા કાર્સ રહેશે. ખાસ સુરત ખાતે ૩ (ત્રણ) ટ્રેલ લાઇન્સ સાથેની, તાલીમ સુવિધા ઊભી કરાઇ છે. જાપાનીઝ ટ્રેક સિસ્ટમ વિશ્વમાં વિશિષ્ટ છે અને તે મૂકવામાં ખૂબ જ ઉચ્ચ સ્તરનું કૌશલ્યની જરુર રહે છે.

હાઇસ્પીડ રેલમાં ટ્રેક સૌથી અગત્યનો ભાગ છે. જેથી ૨૦ જાપીની વિશેષજ્ઞ ભારતીય એન્જિનિયર્સ, સુપરવાઇઝર્સ અને ટેકનીશીયોને સઘન તાલીમ આપીને તેમના કૌશલ્યને પારખીને ખરાઇ કરશે. ત્યારે બાદ માત્ર પ્રમાણિત એન્જિનિયર્સ અને અગ્ર હોય તેવી વ્યક્તિઓ જ ટ્રેક કન્સ્ટ્રકશન વર્ક માટે સાઇટ પર કામ કરી શકશે.

Training Engineers for Bullet Trains

नव्या तंत्राचा अभ्यास • वापी, वडोदरादरम्यान २३७ किलोमीटरचे काम युद्धपातळीवर

बुलेट ट्रेनसाठी अभियंत्यांना प्रशिक्षण

मुंबई, नवराष्ट्र न्यूज नेटवर्क. मुंबई आणि अहमदाबाददरम्यान धावणाऱ्या बुलेट ट्रेनच्या टी-२ टप्प्यासाठी भारतीय अभियंते आणि काम करणाऱ्या प्रमुखांसाठी हाय-स्पीड रेल्वे ट्रॅक सिस्टीमचे प्रशिक्षण सुरू करण्यात आले. या पॅकेजमध्ये वापी आणि वडोदरादरम्यानचे २३७ किमीचे अंतर समाविष्ट आहे. अधिकाऱ्यांनी सांगितले की, प्रशिक्षण कार्य केवळ प्रशिक्षित आणि प्रमाणित अभियंते यांच्या देखरेखीखाली आणि ट्रॅक बांधणीच्या कामासाठी साईटवर काम करणाऱ्या नेत्यांच्या देखरेखीखाली केले जाते. प्रशिक्षणामुळे जपानी एचएसआर ट्रॅकच्या 'टेक्नॉलॉजीचे हस्तांतरण'देखील मदत होईल. प्रकल्पाच्या बांधकामात गुंतलेल्या एनएचएसआरसीएलने जारी केलेल्या निवेदनानुसार, जेएआरटीएस, जेआयसीए, प्रकल्पाची निधी देणारी एजन्सीद्वारे नामित जपानी ना-नफा संस्था, संबंधित क्षेत्रातील जपानी तज्ज्ञांमार्फत प्रशिक्षण प्रदान केले जाईल.

१५ विविध अभ्यासक्रम

प्रशिक्षण कार्यक्रमात ट्रॅक कामाच्या सर्व पैलूंचा समावेश असलेले १५ विविध अभ्यासक्रम आहेत, ज्यात साइट व्यवस्थापकांसाठी प्रशिक्षण, ट्रॅक स्लॅब फॅब्रिकेशन, आरसी ट्रॅक बेड फॅब्रिकेशन, संदर्भ पिन सर्वेक्षण आणि डेटा विश्लेषण, स्लॅब ट्रॅक स्थापना, सीएएम स्थापना, रेल वेल्ड फिनिशिंग, संलग्न चाप यांचा समावेश आहे.

जपानी तंत्रज्ञान शिकण्याची सुवर्णसंधी

भारतीय अभियंते आणि तंत्रज्ञांसाठी जपानी हायस्पीड रेल्वे ट्रॅक स्लॅब सिस्टम तंत्रज्ञान शिकण्याची ही सुवर्णसंधी आहे. या प्रकल्पात १००० हून अधिक भारतीय अभियंते आणि तंत्रज्ञांना २० जपानी तज्ज्ञांकडून प्रशिक्षण दिले जाईल.

- राजेंद्र प्रसाद, एमडी, नएसआरसीएल

१००० प्रमुखांना प्रशिक्षण देणार

या प्रकल्पात सुमारे १००० अभियंते, प्रमुख आणि तंत्रज्ञांना प्रशिक्षण देण्याची योजना आखण्यात आली आहे. यासाठी सुरत डेपोमध्ये तीन लाईन खास तयार केल्या आहेत. जपानी ट्रॅक सिस्टीम ही जगात अद्वितीय आहे. ती मांडण्यासाठी खूप उच्च पातळीचे कौशल्य आवश्यक आहे. ट्रॅक हा एचएसआर प्रणालीचा सर्वात महत्त्वाचा घटक आहे. तो अतिशय उच्च दर्जाच्या अचूकतेसह घातला गेला पाहिजे. प्रशिक्षण कार्यक्रमात २० जपानी तज्ज्ञ भारतीय अभियंते, पर्यवेक्षक आणि तंत्रज्ञांना सखोल प्रशिक्षण देतील. त्यांच्या कौशल्यांचे प्रमाणीकरण करतील.

५० किमी वायडक्ट, १८० किमी घाटाचे काम पूर्ण

बुलेट ट्रेन कॉरिडॉरचे काम वेगाने सुरू असून, २५ एप्रिलपर्यंत त्याच्या ५० किमी मार्गाचे आणि १८० किमी घाटाचे काम पूर्ण झाले आहे. ५०.१६ किमीच्या व्हायाडक्टपैकी ९.१ किमी वडोदराजवळ एकाच पट्ट्यात आणि ४१.६ किमी वेगवेगळ्या ठिकाणी बांधण्यात आले आहेत. यासह गुजरात आणि डीएनएचच्या ८ जिल्ह्यांमधून जाणाऱ्या मार्गावर बांधकामाचे काम जोरात सुरू झाले आहे, तर वापी ते साबरमतीपर्यंतच्या ८ एचएसआर स्थानकांचे काम बांधकामाच्या विविध टप्प्यात आहे. १ लाख ८००० कोटी रुपयांचा हा प्रकल्प एकूण १ लाख ८००० कोटी रुपये खर्चून पूर्ण होणार आहे. ऑगस्ट २०१६ पर्यंत लॉन्च करण्याचे लक्ष्य आहे. मात्र, पहिल्या टप्प्यात सुरत ते बिलीमोरा दरम्यान ६३ किलोमीटरची ट्रायल केली जाणार आहे. संपूर्ण मार्गाबद्दल बोलायचे झाले तर मुंबई ते अहमदाबाददरम्यान ५०८ किमी आहे, त्यापैकी १५६ किमी महाराष्ट्रात आणि ३५२ किमी गुजरातमध्ये आहे.

NHSRCL
National High Speed Rail Corporation Ltd.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 4.5.2023
Page No. 2, Size:(17.55)cms X (6.92)cms.

वर्क लीडर्स को भी प्रशिक्षण | **15 विभिन्न पाठ्यक्रम भी शामिल**

1000 भारतीय इंजीनियरों को हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एचएसआर) कॉरिडोर को लेकर भारतीय इंजीनियरों के लिए हाई-स्पीड रेल ट्रैक सिस्टम का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भारतीय इंजीनियरों के साथ-साथ वर्क लीडर्स के लिए यह प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। ट्रैक निर्माण कार्यों के लिए साइट पर केवल प्रशिक्षित और प्रमाणित इंजीनियरों व वर्क लीडर्स के मार्फत ही काम किया जाएगा। इससे जापानी एचएसआर ट्रैक सिस्टम के 'ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी' में भी मदद मिलेगी। जापानी शिंकानसेन एचएसआर में उपयोग की जाने वाली गिट्टी-रहित स्लैब ट्रैक सिस्टम का उपयोग भारत की पहली एचएसआर परियोजना के लिए किया जाएगा। संबंधित क्षेत्र में जापानी विशेषज्ञों के माध्यम से इस परियोजना की फंडिंग एजेंसी जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) की ओर से नामांकित जापान के गैर लाभकारी संगठन जेएआरटीएस के मार्फत प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ट्रैक कार्य के सभी पहलुओं को कवर करने वाले 15 विभिन्न पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। इसमें साइट प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण, ट्रैक स्लैब निर्माण, आरसी ट्रैक बेड निर्माण, रिफरेन्स पिन सर्वे तथा डेटा विश्लेषण शामिल हैं। इसके साथ ही स्लैब ट्रैक इंस्टालेशन, सीएएम इंस्टालेशन, रेल वेल्ड फिनिशिंग, रेलों की एनक्लोज्ड आर्क वेल्डिंग और टर्नआउट इंस्टालेशन आदि शामिल हैं। इस परियोजना में लगभग 1000 इंजीनियरों/वर्क लीडर्स/ टेक्निशियंस को प्रशिक्षित करने की योजना रखी गई है। इसके लिए सूरत डिपो में विशेष रूप से 3 ट्रेल लाइन का निर्माण किया गया है। जापानी ट्रैक सिस्टम दुनिया में अनूठी है और इसे बिछाने के लिए बहुत उच्च स्तर के कौशल की आवश्यकता होती है। ट्रैक एचएसआर प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण घटक है। इसे बहुत उच्च स्तर की सटीकता से बिछाया जाना चाहिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बीस जापानी विशेषज्ञ भारतीय इंजीनियरों, पर्यवेक्षकों और तकनीशियनों को गहन प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ साथ उनके कौशल को प्रमाणित करेंगे। उल्लेखनीय है कि भारत की पहली बुलेट ट्रेन अहमदाबाद और मुंबई के बीच में चलाई जानी है। इसके लिए काम जोरों पर चल रहा है।

Ahmedabad-Mumbai Bullet train project

Training for laying track system begins

20 Japanese experts will impart training to Indian engineers & technicians to lay the track system for the ambitious project

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com
TWEETS @ahmedabadmirror

Training for laying track along the 'T-2 package' that covers the 237-km Vapi-Vadodara stretch has begun

The training of Indian engineers and work leaders for the High-Speed Rail Track system for the Mumbai Ahmedabad High-Speed Rail corridor (MAHSR) has begun. This is for the T-2 Package that covers the 237 km between Vapi and Vadodara.

Only trained and certified engineers and work leaders are mandated to work at the track construction site for the project as this will help in the Transfer of Technology of the Japanese HSR track system. The ballastless Slab Track system (popularly known as the J Slab track system) which is used in Japanese Shinkansen HSR will be used for India's first HSR project. JARTS, a non-profit organisation in Japan, nominated by JICA with the help of Japanese experts will impart the training. JICA is the funding agency of the MAHSR project.

The training will have 15 different courses covering all aspects of track work including training for site managers, track slab manufacturing, RC track bed construction, reference pin survey and data analysis.

The courses will also cover training for slab track installation, CAM installation, rail weld finishing, enclosed arc welding of rails and turnout installation.

Nearly 1000 engineers/work leaders/technicians are expected to be trained. A training facility with three trail lines has been specially created at Surat Depot for the same.

The Japanese track system is unique in the world and laying it requires a very high level of skill. The track is the most important component of the HSR system and needs to be laid with a very high degree of accuracy. Twenty Japanese experts will impart intensive training to the Indian engineers, supervisors & technicians and will certify their skills.